

21/12

पञ्जावली वेश हुई। वकील वादी उपस्थित नहीं आये  
न ही वादीगण उपस्थित। वादीगण व उसके बन्धुओं को  
बन्धु-रुत कर बार-बार आवाज लगायी मन्दी। कोई  
भी उपस्थित नहीं हुआ। अतः पञ्जावली अदम्य वेश-  
अदम्य एजरी में वारिज की जाती है। पञ्जावली जैसल  
शुक्राद होकर वारिज दफ्तर हो। नम्बर से कम हो।

2.

उपखण्ड अधिकारी  
धौलपुर (राज०)